ममांशजा परा्ग्नेयी क्रियाशक्तिर्हि वैष्णवी LakṣmīT. 29. 46; BrahmāṇḍP. iii. 40. 108.

अंशजातत्व (aṁśajāta–tva) *n.* being partly realised अंशजातत्वेनैका-दश्यामिति नोक्तम् BālaKrī. i. 32. 2 (*on* 1. 12)

अंशजाप (aṁśa–jāpa) *m.* partial muttering खण्डीभूतास्त्वंशजापात्… हीनवीर्यास्तु ते (i. e. मन्त्राः) मताः TantrRā. 1. 79.

अंशज्यैष्ठ्य (aṁśa–jyaiṣṭhya) *n.* the priority of the inheritance meant for the eldest son संसृष्टद्रव्यापेक्षयांशज्यैष्ठ्यादिकृतो विषमविभागो भवत्येव VīraMi. (Vyavahāra.) 532. 30.

अंशतस् (aṁśa–tas) *adv.* **A** about or as regards a part of the *rāśi* एवमंशतो दृक्काणतश्च JaimiUpaSū. i. 3. 27; **B** in part, partly, pertaining to a part only आविर्भूतं तु तच्छास्त्रमंशतस्ते ततक्षिम AhirbuS. 11. 57; यावान् वेदे धर्म उक्तः स सर्वस्तस्मिन् कालेऽंशतोऽपि न हीनः…अनुष्ठीयते ManuBh. i. 40. 6 (*on* 1. 81); अंशत आयुः क्षीयत इत्यर्थः ManuBh. i. 41. 10 (*on* 1. 83); सोमोंऽशतः प्रत्येकमुभाभ्यां पीयते SāstrDī. 230. 1 (*on* 3. 2. 20); बहवः प्रतिभुवो यदि स्युरंशतो धनं दद्युः BālaKrī. i. 222.1 (*on* 2. 57); स्वशिष्याणां प्रसिद्धयर्थं मतमात्मीयमंशतः । विज्ञातं तैर्जगादात्र AnuVyā. 14A. 6 (*on* 1. 4); सर्वगतस्यापि व्योम्नोंऽशतोऽल्पस्थानस्थित्युपपत्तेः TattvPrakā. 50A. 8 (on i. 3. 21); पृथिव्या एवांशतो हुतवहादिपरिणामः NyāySiA. 200. 1; न ह्यखण्डे वस्तुन्यंशतोऽविद्यावरणं संभवति NyāySu. (Ja.) 103B. 1 (*on* i. 1. 2); यद्यपि सपिण्डीकरणेऽंशतः एकोद्दिष्टत्वम् NirṇaSi. 280. 8; अंशतस्तदुभयरूपं तृतीयम् BhāṭṭCin. ii. 83. 5 (*on* ii. 1. 4); **C** partly, partially; (with verbal forms) हंसस्वनानुगामिना वाणीगुणेन पाञ्चालिमंशतः श्रयन्ती मराली जाति: UdaySuKa. 149. 26; पल्लवैरधरकान्तिरंशतः… चोरितानि Yādavā. 17. 19; निरूपयिष्यते चांशतो यथावसरम् (ध्वनिः) RasGaṅ. 175. 6; (with action nouns) बीजस्य प्रधानार्थस्यांशतः संहरणम् NāṭaLaRaK. 247; विभूतिद्वयस्याप्यंशतः संभेदोऽवतारदशायां दृश्यते NyāySiA. 226. 12; **D** (Logic) in part, due to only a part being affected, partial अन्तर्भूतसत्त्वं यदि कारणत्वं तदा स्वविशिष्टे स्ववृत्तिरंशतः स्वाश्रयत्वमापादयति KhaṇḍanKhā. 56. 11; TarkaSaṁ. (Ā.) 15. 10; तेजस्त्वावच्छिन्ने विशेषतेजस्त्वस्य अवस्थाने कथमंशतः स्वाश्रयत्वं न स्यात् TarkaSaṁ. (Ā.) 37. 12; 51. 5;न चात्र राजसतामससंज्ञितेषु शास्त्रेष्वंशतोऽप्रामाण्यमाशङ्कनीयम् PāñRāRa. 42. 12; यत्तु योगजधर्मसामान्यलक्षणप्रत्यासत्त्या स्वाश्रयप्रामाण्यं तेनैव गृह्यत इत्यंशतः सिद्धसाधनम् TattvCin. i. (1) 124. 2; ये…लक्षणस्य केवलव्यतिरेकित्वमाहुः तेषामंशतः सिद्धसाधनत्वमपि NyāyPari. 147. 11; ज्ञानानां ज्ञानविषयत्ववादिप्राभाकरमते ज्ञानेषु चांशतः सिद्धसाधनम् GuruCan. i. 45. 4; वेदवाक्ये अंशतः सिद्धसाधनवारणाय शब्दाजन्येति विशेषणम् S'ivārkaMaDī. i. 156. 13 (*on* i. 1. 3); वेदः सजातीयोच्चारणानपेक्षोच्चरितजातीयः…(इत्यत्र) जातीयपदमाधुनिकोच्चरितवेदे अंशतो बाधवारणाय S'ivārkaMaDī. i. 155. 26 (*on* i. 1. 3) **E** from a part, (in the case of partial incarnation) अष्टानां लोकपालानां संभवत्यंशतो नृपः SūktiRa. 39. 18; विष्णुशेषौ…अवतीर्यांशतो भूमौ संकर्षणपतञ्जली । मुनी भूत्वा…स्थितौ S'aṅkaDigVi. (Mā.) 1. 51; पुरुषोत्तमो…रामकृष्णस्वरूपेणांशतो यदुवंशेऽवततार ChandoMa. 6. 5; LakṣmīT. 7. 11; अंशतः प्रसरन्त्यस्या जीवानन्दा सरिद्वरा । स्वानन्देनमानीय महानन्दमयीं नयेत् LakṣmīT. 35. 46; Nārāy. v. 20. 3.

अंशता (aṁśa–tā) *f.* (used with verbs *gam–*, *bhaj–*, *ā-pad–* etc.) to form a part or portion of सृष्टिस्थित्यन्तकारिण्यः शक्तयस्तिस्र ऊर्जिताः । पूर्णाया भगवच्छक्तेरेकस्या अंशतां गताः AhirbuS. 51. 21; IṣṭaSi 8. 1; EI. xi. 332. 66; अत्र च ‘ दत्तं त्वर्धं प्रकल्पयेत् ’ इत्यस्य दत्तं यथा सममंशान्तरेण भवति तथा अंशतामापन्नं कुर्यादित्यर्थः BālamBha. ii. 141. 22 (*on* 2. 117)

अंशतुल्य (aṁśa–tulya) *adj.* equal in units निम्बच्छदं मधुकदार्वि सताम्रलोध्रमिच्छन्ति चात्र भिषजोऽञ्जनमंशतुल्यम् SuśruS. vi. 19. 15.

अंशत्रय (aṁśa–traya) *n.* **1** a triad of elements or factors **1 A** (in Mīmāṁsā) *sādhya* ‘ end’, *sādhana* ‘ instrument ’ and *itikartavyatā* ‘ the process of instrumentality ’ which form parts of *bhāvanā* ते (कर्मविधयः) तु सिद्धं भेदमुपाश्रित्य ‘ इदमनेनेत्थं साधयेत् ’ इति पुरुषहितानुशासनप्रधानाः । स्यादेतत्; असति भेदेंऽशत्रयप्रत्यस्तमयात् कुतो हितानुशासनम् BrahmSi. 43. 18; TantrVā. 3. 14 (*on* i. 1. 1); 350 20 (*on* ii. 1. 1); 352. 19 (*on* ii. 1. 1); 552. 6 (on ii. 2. 26); S'lokaVār. 7. 95; यथा हि यजेत इत्यस्यां भावनायाम्, किं केन कथं इति भाव्याद्याकाङ्क्षापनयकारणमंशत्रयमवगम्यते BrĀraUBh. 107. 12 (*on* i. 4. 7); न च अंशत्रयपूरणमन्तरेण भावनास्वव्यापारपरिनिष्पत्तिरिति NyāyMañ. i. 332. 3; i. 311. 18; i. 314. 16; BrĀraUBhVā. (Sambandha) 251; i. 4. 787; BrahmSūBh. (Bhā.) 15. 11 (on i. 1. 4); Kāśi (Su.) i. 60. 12 (on 2. 3); S'āstrDī. 447. 3 (on vi. 1. 1); 797. 8 (on xi. 1. 2); NyāyRa. 872. 10; 922. 8; 922. 12 NyāyRaMā. 158. 1; 159. 3; 166. 7; किं केन कथमित्यंशत्रयपूर्णा हि भावना VivaPraSaṁ. 161.14; 162.13; 215. 22; ArthSaṁ. 15. 3; 21. 3; किं भावयेत् केन भावयेत् कथं भावयेत् इति फलकरणेतिकर्तव्यताभेदात् अंशत्रयवती भावना SarvaDaKau. 99. 25; TantrRaha. 52. 18; 53. 21; YuktiSneha. 26. 12 (*on* i. 1. 2); 152. 11 (*on* i. 1. 7); 158. 11 (*on* i. 1. 7); MīmāKau. iii. 6. 20 (*on* i. 2. 7); iii. 26. 19 (*on* i. 2. 7); iii. 26. 24 (*on* i. 2. 7); i. 158. 5 (*on* i. 4. 1); iii. 44. 3 (*on* ii. 1. 5); BhāṭṭDī. ii. 220. 15 (*on* vi. 1. 2); ii. 339. 19 (*on* vii. 1. 1); iii. 7. 12 (*on* viii. 1. 4); iii. 29. 3 (*on* viii. 3. 4); LaCandr. 378. 8; MīmāNyāPra. 194. 12; 217. 6; SarvaMaSaṁ. 36. 4; MayūMāli. on S'āstrDī 5. 15 (*on* i. 2. 1); 347. 36 (*on* iv. 1. 2); 395. 33 (*on* iv. 4. 2); 446. 20 ((*on* vi. 1. 1); 447. 33 (*on* vi. 1. 1); LalitāSaBh. 227. 29; **1 B** three stages of speech i. e. *paśyantī*, *madhyamā*, *vaikharī* तदेवं भगवती पराभट्टारिका…इति तत्रापि तथैव स्वात्मनि सर्वात्मकत्वेनांशत्रयोद्रेकाद्रर्णपदमन्त्रात्मकत्वम् ParāTri. 158. 6; **1 C** three elements in knowledge or cognition : influence of the agent, influence of the object and joining of the agent with the action सा हि बुद्धिरंशत्रयवती; पुरुषोपरागो विषयोपरागो व्यापारावेशश्चेत्यंशाः NyāyKuA. i. 52. 2; NyāySu. (Ja.) 324B. 4 (*on* ii. 2. 1); SiddhāMu. 26. 32 (*on* 49); **1 D** enjoyer, object of enjoyment and controller (ब्रह्म) भोक्तृभोग्यनियन्तृरूपेणांशत्रयावस्थमवतिष्ठते S'rīBh. 445. 10 (*on* ii. 1. 15); किं भोग्यभोक्तृनियन्तारः प्रत्येकं ब्रह्म उतांशत्रयसमुदायो ब्रह्म S'rutaPra. ii. 175. 17 (*on* i. 4. 28); ii. 607. 30 (*on* iv. 2. 15); **1 E** knower, object of knowledge and knowledge अनुभवपारतन्त्र्यमप्यंशत्रयसाधारणम् TantrRaha. 7. 18; 8. 25; **2** three units (in measurement) तदन्तेंऽशत्रयायताः । कर्णप्रासादकाः कार्याः भागत्रितयविस्तृताः SamarāSū. 30. 71; **3** three units or parts in property or inheritance क्षत्रियात् क्षत्रियायामुत्पन्नोंऽशत्रयं … लभते Subodhi. 53. 11 (*on* 2. 122); 54. 32 (*on* 2. 124); BālamBha. ii. 158. 22 (*on* 2. 124)

अंशत्रितय (aṁśa–tritaya) *n.* a group of three units **A** three squares or units (in a plot in drawing a figure) (वसुगर्भे) एकैकं साधयेत् कोणं ततोंऽशत्रितयेन तु । कुर्यादेवं पूरयेत् पश्चाद्रागेण विविधेन च । PauṣkS. 5. 52; **B** three units (in Mathematics) प्रथमस्यांशत्रितयं त्रिगुणोत्तरतश्च पञ्चभिर्भक्तम् । दीनाराणां त्रिशतं त्रिपष्टिसहितं क एकांशः GaṇiSāSaṁ. 5. 81.

अंशत्र्यंश (aṁśa–tryaṁśa) *m. n.* (in Astronomy) one third part of a degree (i. e. 20") (भुक्ते)…ऋणम्…विंशत्यांशत्र्यंशं वक्री सप्तदशभिः शनिर्भागम् KhaṇḍKhā. 2. 17.

अंशत्व (aṁśa–tva) *n.* being a part or a portion, the state of being a part or portion. BrahmSūBh. (S'aṅ.) 479. 3 (*on* ii. 3. 43); Bhām. 501. 15 (*on* ii. 3. 43); अंशत्वं गुणत्वमत्र Loc. 207. 15 (*on* 3. 37); एकद्रव्यैकदेशत्वं ह्यंशत्वम् VedāntDī. 129. 14 (*on* ii. 3. 45); जीवो…ब्रह्मांशत्वेन भिन्नाभिन्नः S'rīBh. 161. 15 (*on* i. 1. 4); VedāntSā. (Rā.) 17. 5 (*on* i. 1. 2); भिन्नद्रव्यत्वेऽपि तयोस्तेन तादात्म्यं तयोरंशं प्रत्यंशत्वं चाविरुद्धमिति…वक्ष्यते NītiMā. 36. 2; BrahmaSūBh. (Ma.) 38A. 3 (*on* ii. 3. 43); AnuVyā. 43A. 2 (*on* 3. 2); धनवदंशत्वे केवलभेदापत्तेः VedāntKau. 236. 7 (*on* ii. 3. 42); अंशत्वान्नाटकस्यापि तथा प्रकरणस्य च । आनुषङ्गिकमेतेषां लक्षणं तत्र दर्शितम् BhāvPra.(S'ā.) ix. 256. 2; चतुरो निर्वपेन्मुष्टीनिति निर्वापसंश्रयात् । एकैकमुष्टेरंशत्वात् पदार्थत्वं चतुष्टये ॥ NyāyMāVi. 279. 21 (*on* v. 2. 3); TattvPrakā. 155B. 6 (*on* iii. 2. 18); (जीवस्य) अंशत्वं च नारम्भकत्वम्…किं नाम भिन्नाभिन्नत्वम् NyāySu. (Ja.) 452A. 12 (*on* ii. 3. 18); AṇuBh. 115. 5 (*on* i. 4. 20); 139. 22 (*on* ii. 3. 1); 154. 19 (*on* ii. 3. 43); 155. 10 (*on* ii. 3. 43); 155. 16 (*on* ii. 3. 44); Nyāyāmṛ. 606A. 8; 606B. 4; SiddhāLeSaṁ. 338. 10; AdvaiSi. 846. 11; तस्याः श्रियोंऽशत्वात् MīmāKau. ii. 47. 22 (*on* i. 3. 7); GoviBh. 164. 12 (*on* ii. 3. 41); KālīViT. 28. 21.

अंशत्वनिर्णय (aṁśatva–nirṇaya) *m.* determination of the state of being a part or portion किमुभयव्यपदेशमुख्यत्वमनन्यत्वविलक्षणत्वनिश्चयश्चांशत्वनिर्णयसापेक्षे इत्यत्राह S'rutaPra. ii. 380. 27 (*on* ii. 3. 42)

अंशत्वप्रतिपत्ति (aṁśatva-pratipatti) *f.* apprehension of the state of being a part or portion न च नानाव्यपदेशादेव केवलाद् अंशत्वप्रतिपत्तिः BrahmSūBh.(S'aṅ.) 479. 3 (*on* ii. 3. 43)

अंशत्वप्रतिपादक (aṁśatva-pratipādaka) *adj.* expressive of the state of being a part or portion न च…अंशत्वप्रतिपादकाच्च मन्त्रवर्णात्…जीवानामीश्वरांशत्वसिद्धिः Bhām. 501. 15 (*on* ii. 3. 43)

अंशत्वमात्र (aṁśatva-mātra) *n.* merely the state of being a part समांशस्याप्यंशत्वमात्रविवक्षायामनियतलिङ्गोऽंशशब्दः LalitāSaBh. 26. 2 (52)

अंशत्वव्यपदेश (aṁśatva-vyapadeśa) *m.* statement about being a part or portion पादोऽस्य विश्वा भूतानि इति ममैवांशो जीवलोके जीवभूतः सनातनः इति स्मृतौ चांशत्वव्यपदेशादपि जीवब्रह्माभेदसिद्धिः AdvaiSi. 846. 5.

अंशत्वव्यावृत्ति (aṁśatva-vyāvṛtti) *f.* exclusion of (the notion of) the state of being a part नन्वनुसंधानाभावेनांशत्वव्यावृत्तावंशाधिकरणविरोधः स्यात् NyāySu.(Ja.) 510A. 5 (*on* iii. 2. 10)

अंशत्वसंभव (aṁśatva-sambhava) *m.* possibility of being a consti-